



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 988]

No. 988]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 15, 2005/भाद्र 24, 1927

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 15, 2005/BHADRA 24, 1927

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 15 सितम्बर, 2005

इण्टर-कनेक्टेड स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लिमिटेड (निगमीकरण और अपरस्परीकरण)
स्कीम, 2005 के मामले में प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4ख (7)
के साथ पठित धारा 4ख (6) के अधीन आदेश

का.आ. 1320(अ).— 1.0 इण्टर-कनेक्टेड स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लिमिटेड (इसमें इसके पश्चात् "आईएसई" के रूप में निर्दिष्ट), प्रत्याभूति द्वारा परिसीमित कंपनी के रूप में कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन रजिस्ट्रीकृत, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज है जिसके कारबार का मुख्य स्थान इंटरनेशनल इनफोटेक पार्क, टॉवर 7, 5वीं मंजिल, वाशी, नवी मुम्बई - 400 703 में स्थित है । प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (इसमें इसके पश्चात् "प्रसंविअ" के रूप में निर्दिष्ट) के उपबंधों के अनुसार इसका निगमीकरण और अपरस्परीकरण किया जाना अपेक्षित है ।

2.0 आईएसई ने, अपने तारीख 31 जनवरी 2005 के पत्र द्वारा, इसके निगमीकरण और अपरस्परीकरण के लिए स्कीम प्रसंविअ की धारा 4ख की उप-धारा (1) के निबंधनों के अनुसार भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् "भाप्रविबो" के रूप में निर्दिष्ट) को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की । भाप्रविबो ने, तारीख 25 मई 2005 के पत्र द्वारा, आईएसई को संशोधित स्कीम प्रस्तुत करने की सलाह दी, बीएसई (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005 के उपबंधों पर विचार करने के पश्चात् जो आईएसई से सुसंगत और के प्रति लागू हों ।

3.0 इसके पश्चात्, आईएसई ने, अपने तारीख 11 जून 2005 के पत्र द्वारा, बीएसई स्कीम के उपबंधों पर विचार करने के पश्चात् इसके निगमीकरण और अपरस्परीकरण के लिए

संशोधित स्कीम प्रस्तुत की। भाप्रविबो ने जॉच की और आईएसई के साथ चर्चा के माध्यम से इससे और जानकारी अभिप्राप्त की। 23 जून 2005 को आईएसई के पदधारी व्यक्तियों के साथ बैठक में स्कीम पर चर्चा की गई। उक्त बैठक के दौरान हुई चर्चा के आधार पर, आईएसई ने स्कीम को पुनः प्रस्तुत करने की वांछा की।

- 4.0 तदनुसार, आईएसई ने, अपने तारीख 11 जुलाई 2005 के पत्र द्वारा इसके निगमीकरण और अपरस्परीकरण के लिए और संशोधित स्कीम (इसमें इसके पश्चात् "स्कीम" के रूप में निर्दिष्ट) भाप्रविबो को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की प्रसंविअ के उपबंधों के अनुसार।
- 5.0 स्कीम में, अन्य बातों के साथ, शेयरों द्वारा परिसीमित कंपनी के रूप में आईएसई के पुनःरजिस्ट्रीकरण, सदस्यों के व्यापारिक अधिकारों से स्वामित्व तथा प्रबंधन के पृथक्करण, शेयरधारकों जो व्यापारिक सदस्य भी हैं के मताधिकारों पर निर्बंधन, शासी बोर्ड की संरचना, आदि प्रसंविअ की धारा 4ख (6) के उपबंधों के अनुसार, आस्तियों तथा आरक्षितियों के उपयोग और आईएसई के निगमीकरण और अपरस्परीकरण के प्रयोजन के लिए तथा के संबंध में अपेक्षित अन्य मामलों का उपबंध है।
- 6.0 भाप्रविबो, स्कीम पर विचार करते हुए और यह समाधान हो जाने पर कि यह व्यापार के हित में होगी और लोक हित में भी होगी, एतद्द्वारा लघु परिवर्तनों के साथ स्कीम को अनुमोदित करता है। अनुमोदित स्कीम उपाबंध-क के रूप में संलग्न है।
- 7.0 आईएसई स्कीम में यथा विनिर्दिष्ट समय के भीतर स्कीम की अनुपालना सुनिश्चित करेगा और स्कीम के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा और भाप्रविबो को अनुपालना की रिपोर्ट ऐसी रीति में प्रस्तुत करेगा जो भाप्रविबो द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।
- 8.0 भाप्रविबो के पास व्यापार के हित और लोक हित में और स्टॉक एक्सचेंज के निगमीकरण और अपरस्परीकरण के उद्देश्यों को अग्रसर करने के लिए स्कीम को संशोधित करने, परिवर्तित करने या उपांतरित करने का अधिकार आरक्षित है।
- 9.0 यह स्कीम राजपत्र में इसके प्रकाशन के दिन प्रभावी होगी।

[फा. सं. भाप्रविबो/बाविबि/49408/2005]

एम. दामोदरन्, अध्यक्ष

इण्टर-कनेक्टेड स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लिमिटेड
(निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005

1. नाम और प्रारंभ

- 1.1 इस स्कीम को इण्टर-कनेक्टेड स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लिमिटेड (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005 (इसमें इसके पश्चात् "यह स्कीम" अथवा "इस स्कीम" के रूप में निर्दिष्ट) कहा जायेगा।
- 1.2 यह स्कीम प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (इसमें इसके पश्चात् "प्रसंविअ" के रूप में निर्दिष्ट) की धारा 4ख की उप-धारा (4) के अधीन इसके प्रकाशन पर प्रभावी होगी।
- 1.3 इण्टर-कनेक्टेड स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लिमिटेड (इसमें इसके पश्चात् "आईएसई" के रूप में निर्दिष्ट) का निगमीकरण और अपरस्परीकरण इस स्कीम के अनुसार नियत तारीख से ही हो जायेगा जो प्रसंविअ की धारा 4क के अधीन आईएसई की बाबत भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् "भाप्रविबो" के रूप में निर्दिष्ट) द्वारा अधिसूचित की जाये :

परंतु यह कि इस स्कीम के संबंधित खंडों में विनिर्दिष्ट क्रियाकलाप इन खंडों में विनिर्दिष्ट समय अनुसूची के अनुसार कार्यान्वित किये जायेंगे।

2. परिभाषाएँ

इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :

- 2.1 "नियत तारीख" से वह तारीख अभिप्रेत है, जो शासी बोर्ड द्वारा अवधारित की जाये, जो प्रसंविअ की धारा 4ख की उप-धारा (7) के अधीन आदेश के प्रकाशन की तारीख से 3 मास के पश्चात् की नहीं होगी।
- 2.2 "शासी बोर्ड" से आईएसई का निदेशक बोर्ड अभिप्रेत है।

- 2.3 "इण्टर-कनेक्टेड स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लिमिटेड (आईएसई)" से प्रत्याभूति द्वारा परिसीमित कंपनी अभिप्रेत है, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 12 के अधीन निगमित, जिसके कारबार का मुख्य स्थान इंटरनेशनल इनफोटेक पार्क, टॉवर 7, 5वीं मंजिल, वाशी, नवी मुम्बई - 400 703 में स्थित है और प्रसंविअ के अधीन स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यताप्राप्त, और जिसे शेयरों द्वारा परिसीमित कंपनी के रूप में पुनःरजिस्ट्रीकृत किया जायेगा, इस स्कीम के खंड 3 के अनुसरण में।
- 2.4 "शेयरधारक" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो आईएसई के किसी इक्विटी शेयर (किन्हीं इक्विटी शेयरों) को धारण करता है।
- 2.5 "व्यापारिक सदस्य" से आईएसई के किसी खंड का स्टॉक दलाल अभिप्रेत है और भाप्रविबो के पास यथा भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के अधीन रजिस्ट्रीकृत।
- 2.6 इस स्कीम में प्रयोग किये गये और अपरिभाषित किन्तु भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, निक्षेपागार अधिनियम, 1996, प्रसंविअ, कंपनी अधिनियम, 1956, इन अधिनियमों के अधीन नियमों और विनियमों, आईएसई के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो क्रमशः ऊपर उल्लिखित अधिनियमों, संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों में उनके लिए नियत हैं।
3. पुनःरजिस्ट्रीकरण
- 3.1 आईएसई स्वयं का पुनः रजिस्ट्रीकरण करेगा, नियत तारीख से पूर्व, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 12 के अधीन शेयरों द्वारा परिसीमित कंपनी के तौर पर, "इण्टर-कनेक्टेड स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लिमिटेड" के नाम और अभिनाम में, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 32 के अनुसार।
- 3.2 भाग लेने वाले निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंज, प्रत्येक, सममूल्य पर नकदी के लिए रु.1/- प्रत्येक के अंकित मूल्य के आईएसई के पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों के प्रति अभिदाय करेंगे और के लिए भुगतान करेंगे, इसके पुनःरजिस्ट्रीकरण के प्रयोजन के लिए, निम्नानुसार विनिर्दिष्ट रीति से :

भाग लेने वाला स्टॉक एक्सचेंज	शेयरों की संख्या	रकम
बंगलूर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड	70,000	रु.70,000/-
कोचीन स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड	70,000	रु.70,000/-
कोयम्बतूर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड	70,000	रु.70,000/-
गुवाहाटी स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड	70,000	रु.70,000/-
जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड	40,000	रु.40,000/-
मद्रास स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड	30,000	रु.30,000/-
मगध स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन	70,000	रु.70,000/-
मंगलूर स्टॉक एक्सचेंज	70,000	रु.70,000/-
सौराष्ट्र-कच्छ स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड	70,000	रु.70,000/-
उत्तर प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड	70,000	रु.70,000/-
कुल	6,30,000	रु.6,30,000/-

4. शेयरों का आबंटन

- 4.1 भाग लेने वाले प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज (उनसे भिन्न जो खंड 3.2 में उल्लिखित हैं) आईएसई के सममूल्य पर नकदी के लिए रु.1/- प्रत्येक के अंकित मूल्य के 70,000 पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों के प्रति हकदार होंगे ।
- 4.2 आईएसई भाग लेने वाले हकदार स्टॉक एक्सचेंजों को इक्विटी शेयर आबंटित करेगा, खंड 4.1 में यथा निर्दिष्ट, नियत तारीख तक ।
- 4.3 इस खंड के अनुसरण में आईएसई के इक्विटी शेयरों के प्रति अभिदाय का आमंत्रण, और प्रस्ताव, निर्गमन और आबंटन जनता को आमंत्रण, प्रस्ताव, निर्गमन या आबंटन के रूप में नहीं माना जायेगा ।

5. शासी बोर्ड

- 5.1 पुनः रजिस्ट्रीकरण पर प्रथम शासी बोर्ड में ऐसे निदेशक समाविष्ट होंगे जो आईएसई के संगम अनुच्छेद में प्रथम निदेशकों के रूप में नामित हैं, इस शर्त के अधीन कि व्यापारी या व्यावहारिक के प्रतिनिधि शासी बोर्ड की कुल संख्या के एक-चौथाई से अधिक न हों ।
- 5.2 शासी बोर्ड का गठन, नियत तारीख से ही, समय-समय पर प्रवृत्त आईएसई के संगम-अनुच्छेद के उपबंधों के अनुसार किया जायेगा :
परंतु यह कि -
- (i) स्टॉक दलालों, किसी स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के व्यापारिक सदस्यों या समाशोधन सदस्यों का प्रतिनिधित्व शासी बोर्ड की कुल संख्या के एक-चौथाई से अधिक न हो, और शेष निदेशकों की नियुक्ति ऐसी रीति से हो जो भाप्रविबो द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाये, और
 - (ii) मुख्य कार्यपालक, चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाये, पदेन निदेशक हो ।
- 5.3 खंड 5.2 में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, भाप्रविबो शासी बोर्ड में निदेशकों को नामनिर्दिष्ट कर सकेगा जब कभी ठीक समझे ।

6. शेयरों की सूचीबद्धता

आईएसई किसी भी समय किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में इसकी प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कर सकेगा ।

7. अपरस्पर्ीकरण

- 7.1 व्यापारिक सदस्य शेयरधारक हो सकेगा या नहीं हो सकेगा ।
- 7.2 शेयरधारक व्यापारिक सदस्य हो सकेगा या नहीं हो सकेगा ।

8. व्यापारिक अधिकार

- 8.1 व्यापारी या व्यौहारी, जो नियत तारीख से पूर्ववर्ती दिन को स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत है, नियत तारीख को आईएसई के नकदी खंड का व्यापारिक सदस्य बन जायेगा।
- 8.2 व्यापारी या व्यौहारी, जो नियत तारीख के पूर्ववर्ती दिन को स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत नहीं है, उस तारीख से ही व्यापारिक सदस्य बन जायेगा जब वह भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के अधीन स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत हो जाता है :

परंतु यह कि रजिस्ट्रीकरण के लिए उसका आवेदन नियत तारीख के एक मास के भीतर भाप्रविबो को प्रस्तुत किया जाता है।

- 8.3 नियत तारीख के पश्चात्, व्यापारिक सदस्य बनने की वांछा रखनेवाले व्यक्ति को सम्मिलित कर लिया जायेगा, यदि वह आईएसई के नियमों, उप-विधियों और विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करता है और फीस तथा निक्षेप अदा करता है।
- 8.4 आईएसई, खंड के व्यापारिक सदस्य के रूप में किसी व्यक्ति को सम्मिलित करने के प्रयोजन के लिए, पूँजी पर्याप्तता, निक्षेप, फीस, आदि के निबंधनों के अनुसार एकरूप मानकों का अनुसरण करेगा, उस व्यक्ति द्वारा व्यापारिक अधिकार के अर्जन की रीति का विचार किए बिना

परंतु यह कि व्यापारिक सदस्य जिसने पारेषण के रूप में व्यापारिक अधिकार अर्जित किया हो के तौर पर व्यक्ति को सम्मिलित करने के लिए विभिन्न मानकों का अनुसरण किया जा सकेगा ;

परंतु यह और कि विभिन्न खंडों में व्यापारिक सदस्यों को सम्मिलित करने के लिए विभिन्न मानकों का अनुसरण किया जा सकेगा।

- 8.5 व्यापारिक सदस्य किसी खंड की अपनी व्यापारिक सदस्यता का अभ्यर्पण आईएसई को आईएसई के नियमों, उप-विधियों और विनियमों में विनिर्दिष्ट रीति से कर सकेगा।
- 8.6 व्यापारिक अधिकार के अर्जन की तारीख या रीति का विचार किए बिना, आईएसई के किसी खंड में व्यापारिक सदस्यों के पास एकरूप अधिकार और विशेषाधिकार होंगे :

परंतु यह कि आईएसई, भाप्रविबो के पूर्विक अनुमोदन से, उन व्यक्तियों को अतिरिक्त विशेषाधिकार प्रदान कर सकेगा जो नियत तारीख से पूर्ववर्ती दिन को व्यापारी या व्यौहारी थे,
।

8.7 नियत तारीख को व्यापारिक सदस्यों के पास उनके ग्राहकों और घटकों और अन्य व्यापारिक सदस्यों की बाबत वही अधिकार और विशेषाधिकार बने रहेंगे, किसी कृत्य, लोप या संविदा या विधि, अधिसूचना, आदेश, निदेश, आदि से उद्भूत या के अधीन, जो कि नियत तारीख को या से पूर्व व्यापारी या व्यौहारी होते हुए उनको प्रोद्भूत होते ।

8.8 व्यापारिक सदस्य उनके ग्राहकों और घटकों, भाप्रविबो, आईएसई, आईएसई सिक्योरिटीज एंड सर्विसेज लि. (आईएसई की समनुषंगी) और अन्य प्राधिकरणों या अन्य व्यक्तियों के प्रति सभी बाध्यताओं और दायित्वों द्वारा आबद्ध होंगे, किसी कृत्य, लोप या संविदा या विधि, अधिसूचना, आदेश, निदेश, आदि से उद्भूत या के अधीन, नियत तारीख को या से पूर्व व्यापारी या व्यौहारी होते हुए ।

9. शेयरधारिता अधिकार

9.1 आईएसई सुनिश्चित करेगा कि इक्विटी शेयरों का कम से कम 51% जनता द्वारा धारित है, व्यापारिक अधिकारों वाले शेयरधारकों और भाग लेने वाले स्टॉक एक्सचेंजों से भिन्न, प्रसंविअ की धारा 4ख की उप-धारा (8) में विहित रीति में और कालावधि के भीतर ।

9.2 नियत तारीख से ही, आईएसई सुनिश्चित करेगा कि जनता, व्यापारिक अधिकारों वाले शेयरधारकों और भाग लेने वाले स्टॉक एक्सचेंजों से भिन्न, इक्विटी शेयरों का कम से कम 51% धारण करती रहे ।

9.3 नियत तारीख से ही, किसी भी शेयरधारक के पास, जो व्यापारिक सदस्य है, आईएसई में मताधिकारों के 5% से अधिक मताधिकार (उसके द्वारा और उसके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों द्वारा धारित मताधिकारों को एकसाथ लिया गया) नहीं होंगे ।

10. संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, आदि

10.1 नियत तारीख के पूर्ववर्ती दिन को आईएसई के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियम, उप-विधियाँ और विनियम, जब तक कि इस स्कीम के प्रतिकूल या से असंगत या द्वारा अपवर्जित न हों, नियत तारीख से ही इसके प्रति लागू होंगे।

10.2 आईएसई इस स्कीम के उपबंधों को समुचित रूप से इसके संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों में सम्मिलित करेगा, नियत तारीख को या से पूर्व।

10.3 संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों को लागू विधियों के अनुसार नियत तारीख के पश्चात् संशोधित किया जा सकेगा, परंतु यह कि कोई ऐसा संशोधन इस स्कीम के किसी उपबंध से असंगत न हो।

11. आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग

11.1 आईएसई प्रसंविअ की धारा 4ख (3) के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा।

11.2 खंड 11.1 में उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, आईएसई इसकी आस्तियों और आरक्षितियों, इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख को, या ऐसी आस्तियों के व्ययन से आगमों या ऐसी आस्तियों के व्ययन की आगमों से अर्जित आस्तियों के उत्तरवर्ती रूपों के व्ययन से आगमों का प्रयोग इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख को बकाया चालू दायित्वों को उन्मोचित करने या स्टॉक एक्सचेंज के कारबार प्रचालनों से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए नहीं करेगा।

11.3 आईएसई की निपटान गारंटी निधि, विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण निधि और विनिधानकर्ता सेवा निधि, निगमीकरण और अपरस्परीकरण के पश्चात्, उसी रूप में विद्यमान बनी रहेंगी और का उपयोग इसके द्वारा केवल उसी प्रयोजन के लिए किया जायेगा जिसके लिए उनका गठन किया गया है।

12. समाशोधन और निपटान कृत्यों का अंतरण

- 12.1 आईएसई, नियत तारीख के दो वर्षों के भीतर, भाप्रविबो के पूर्विक अनुमोदन के अध्याधीन, आईएसई के समाशोधन गृह के कर्तव्यों और कृत्यों को प्रसंविअ के अधीन मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में अंतरित करेगा।
- 12.2 जब तक समाशोधन गृह के कर्तव्य और कृत्य खंड 12.1 में उपबंधित रूप से अंतरित नहीं हो जाते, तब तक आईएसई में व्यापार के संबंध में समाशोधन और निपटान कृत्यों को वर्तमान में आईएसई द्वारा यथा प्रयुक्त समाशोधन और निपटान तंत्र द्वारा या ऐसी अन्य रीति में कार्यान्वित किया जायेगा जो शासी बोर्ड अवधारित करे।

13. इस स्कीम की अनुपालना

- 13.1 आईएसई सभी समयों पर इस स्कीम के उपबंधों की अनुपालना सुनिश्चित करेगा और इस स्कीम के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा।
- 13.2 खंड 13.1 के उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, आईएसई इस स्कीम के खंडों 5.2, 7, 8.3, 8.4, 8.5, 8.6, 9.2, 9.3, 10.3 और 11 में उपबंधों की अनुपालना निरंतर करता रहेगा।
- 13.3 आईएसई इस स्कीम के उपबंधों की अनुपालना की रिपोर्ट ऐसी रीति में करेगा जो भाप्रविबो द्वारा समय-समय पर अपेक्षित की जाये।

14. कठिनाइयों का निराकरण

यदि इस स्कीम के उपबंधों को कार्यान्वित करने में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो भाप्रविबो, आईएसई के लिखित अनुरोध पर, इस स्कीम के उपबंधों में से किसी को शिथिल कर सकेगा।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
NOTIFICATION**

Mumbai, the 15th September, 2005

Order under Section 4B (6) read with Section 48 (7) of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 in the matter of The Inter-Connected Stock Exchange of India Limited (Corporatisation and Demutualisation) Scheme, 2005.

S.O. 1320(E).— 1.0 The Inter-connected Stock Exchange of India Limited (hereinafter referred to as the 'ISE'), registered under the Companies Act, 1956 as a company limited by guarantee, is a recognised stock exchange having its principal place of business at International Infotech Park, Tower 7, 5th Floor, Vashi, Navi Mumbai – 400 703. It is required to be corporatised and demutualised in accordance with the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (hereinafter referred to as the 'SCRA').

2.0 The ISE, vide its letter dated January 31, 2005, submitted a Scheme for its corporatisation and demutualisation for approval to the Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as the 'SEBI') in terms of sub-section (1) of section 4B of the SCRA. SEBI, vide letter dated May 25, 2005, advised ISE to submit a revised Scheme, after taking into account the provisions of the BSE (Corporatisation and Demutualisation) Scheme, 2005 that may be relevant and applicable to ISE.

3.0 Thereafter, ISE, vide its letter dated June 11, 2005, submitted a revised Scheme for its corporatisation and demutualisation after taking into account the provisions of the BSE Scheme. SEBI made enquiries and obtained further information from ISE through discussions with it. The Scheme was discussed in a meeting with the Officials of ISE on June 23, 2005. Based on the discussions during the said meeting, ISE desired to resubmit the Scheme.

4.0 Accordingly, ISE, vide its letter dated July 11, 2005 submitted a further revised scheme (hereinafter referred to as 'the Scheme') for its corporatisation and demutualisation to SEBI for approval in accordance with the provisions of the SCRA.

- 5.0 The Scheme, inter alia, provides for the re-registration of ISE as a company limited by shares, segregation of ownership and management from the trading rights of the members, restriction on voting rights of the shareholders who are also Trading Members, composition of the Governing Board, etc. in accordance with the provisions of section 4B(6) of the SCRA, utilisation of assets and reserves and other matters required for the purpose of and in connection with the corporatisation and demutualisation of ISE.
- 6.0 SEBI, having considered the Scheme and on being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest, hereby approves the Scheme with minor modifications. The approved Scheme is enclosed as Annexure - A.
- 7.0 ISE shall ensure compliance with the Scheme within the time as specified in the Scheme and shall not do anything contrary to the provisions of Scheme and submit compliance report to SEBI in the manner as may be specified by SEBI.
- 8.0 SEBI reserves the right to amend, alter or modify the Scheme in the interest of the trade and the public interest and in furtherance of the objectives of the corporatisation and demutualisation of the stock exchange.
- 9.0 The Scheme shall come into effect on the day of its publication in the Official Gazette.

[F. No. SEBI/MRD/49408/2005]
M. DAMODARAN, Chairman

Annexure – A

**THE INTER-CONNECTED STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED (CORPORATISATION
AND DEMUTUALISATION) SCHEME, 2005**

1. Title and Commencement

- 1.1 This Scheme shall be called the Inter-connected Stock Exchange of India Limited (Corporatisation & Demutualisation) Scheme, 2005 (hereinafter referred to as "this Scheme").
- 1.2 This Scheme shall have effect on its publication under sub-section (4) of section 4B of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (herein after referred to as the "SCRA").
- 1.3 Inter-connected Stock Exchange of India Limited (herein after referred to as the "ISE") shall be corporatised and demutualised in accordance with this Scheme on and from the Appointed Date as may be notified by the Securities and Exchange Board of India (herein after referred to as the "SEBI") in respect of ISE under section 4A of the SCRA:
Provided that the activities specified in the respective clauses of this Scheme shall be implemented as per the time schedule specified in these clauses.

2. Definitions

In this Scheme, unless the context otherwise requires:

- 2.1 "Due Date" means the date, as may be determined by the Governing Board, which shall not be later than 3 months from the date of publication of the Order under sub-section (7) of section 4B of the SCRA.
- 2.2 "Governing Board" means the Board of Directors of ISE.
- 2.3 "Inter-connected Stock Exchange of India Limited (ISE)" means the company limited by guarantee incorporated under section 12 of the Companies Act, 1956, having its principal place of business at International Infotech Park, Tower 7, 5th Floor, Vashi, Navi Mumbai – 400 703 and recognised as a Stock Exchange under the SCRA, and which shall be re-registered as a company limited by shares, in pursuance of clause 3 of this Scheme.
- 2.4 "Shareholder" means a person who holds any equity share(s) of ISE.
- 2.5 "Trading Member" means a stock broker of any segment of ISE and registered with SEBI as such under the SEBI (Stock Brokers & Sub-brokers) Regulations, 1992.
- 2.6 Words and expressions used and not defined in the Scheme but defined in the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Depositories Act, 1996, the SCRA, the Companies Act, 1956, the rules and regulations under these Acts, memorandum and

articles of association, the rules, bye-laws and regulations of ISE shall have the same meanings respectively assigned to them in the above mentioned Acts, memorandum and articles of association, rules, bye-laws and regulations.

3. Re-registration

- 3.1 ISE shall re-register itself, prior to Due Date, as a company limited by shares under section 12 of the Companies Act, 1956, in the name and style of "Inter-connected Stock Exchange of India Limited", in accordance with section 32 of the Companies Act, 1956.
- 3.2 The following participating stock exchanges, shall each subscribe to and pay for fully paid-up equity shares of ISE of the face value of Re.1/- each for cash at par, for the purpose of its re-registration, in the manner specified as under:

Participating Stock Exchange	No. of shares	Amount
Bangalore Stock Exchange Ltd.	70,000	Rs.70,000/-
Cochin Stock Exchange Ltd.	70,000	Rs.70,000/-
Coimbatore Stock Exchange Ltd.	70,000	Rs.70,000/-
Gauhati Stock Exchange Ltd.	70,000	Rs.70,000/-
Jaipur Stock Exchange Ltd.	40,000	Rs.40,000/-
Madras Stock Exchange Ltd.	30,000	Rs.30,000/-
Magadh Stock Exchange Association	70,000	Rs.70,000/-
Mangalore Stock Exchange	70,000	Rs.70,000/-
Saurashtra Kutch Stock Exchange Ltd.	70,000	Rs.70,000/-
Uttar Pradesh Stock Exchange Association Ltd.	70,000	Rs.70,000/-
Total	6,30,000	Rs.6,30,000/-

4. Allotment of Shares

- 4.1 Every participating stock exchange (other than those mentioned in clause 3.2), shall be entitled to 70,000 fully paid-up equity shares of the face value of Re.1/- each for cash at par of ISE.
- 4.2 ISE shall allot the equity shares to the entitled participating stock exchanges, as referred to in clause 4.1, by the Due Date.

- 4.3 The invitation to subscribe to, and the offer, issue and allotment of equity shares of ISE pursuant to this clause shall not be considered as being an invitation, offer, issue or allotment to the public.

5. **Governing Board**

- 5.1 The first Governing Board on re-registration shall comprise of Directors as are named as first directors in the Articles of Association of ISE, subject to the condition that the representatives of a trader or dealer does not exceed one-fourth of the total strength of the Governing Board.

- 5.2 The Governing Board, on and from the Due Date, shall be constituted in accordance with the provisions of the articles of association of ISE in force from time to time:

Provided that –

- (i) the representation of stock brokers, trading members or clearing members of any stock exchange or clearing corporation does not exceed one-fourth of the total strength of the Governing Board, and the remaining directors are appointed in the manner as may be specified by SEBI from time to time, and
- (ii) the Chief Executive, by whatever name called, is an ex-officio director.

- 5.3 Notwithstanding anything contained in clause 5.2, SEBI may nominate directors on the Governing Board as and when deemed fit.

6. **Listing of Shares**

ISE may at any time list its securities on any recognised stock exchange.

7. **Demutualisation**

- 7.1 A Trading Member may or may not be a shareholder.

- 7.2 A shareholder may or may not be a Trading Member.

8. **Trading Rights**

- 8.1 A Trader or Dealer, who is registered as a stock broker on the day preceding the Due Date, shall become a Trading Member of the Cash Segment of ISE on the Due Date.

- 8.2 A Trader or Dealer, who is not registered as a stock broker on the day preceding the Due Date, shall become a Trading Member of the Cash Segment of ISE on and from the date he is registered as a stock broker under the SEBI (Stock Brokers and Sub-brokers) Regulations, 1992:

Provided that his application for registration is submitted to SEBI within one month of the Due Date.

- 8.3 After the Due Date, a person desirous of becoming a Trading Member shall be admitted, if he complies with the requirements and pays the fees and deposits as specified in the rules, bye-laws and regulations of ISE.
- 8.4 ISE shall, for the purpose of admitting any person as a Trading Member, follow uniform standards in terms of capital adequacy, deposits, fees, etc., irrespective of the mode of acquisition of the trading right by that person:
Provided that different standards may be followed for admission of a person as a Trading Member who has acquired the trading right by way of transmission;
Provided further that different standards may be followed for admission of Trading Members in different segments.
- 8.5 A Trading Member may surrender his trading membership of any segment to ISE in the manner specified in the rules, bye-laws and regulations of ISE.
- 8.6 Irrespective of the date or mode of acquisition of the trading right, the Trading Members in any segment of ISE shall have uniform rights and privileges:
Provided that ISE may, with the prior approval of SEBI, grant additional privileges to those persons who were Traders or Dealers on the day preceding the Due Date.
- 8.7 Trading Members on the Due Date shall continue to have the same rights and privileges in respect of their clients and constituents and other Trading Members arising out of or under any act, omission or contract or law, notification, order, direction, etc., as had accrued to them while being Traders or Dealers on or before the Due Date.
- 8.8 Trading Members shall be bound by all the obligations and liabilities towards their clients and constituents, SEBI, ISE, ISE Securities & Services Ltd. and other authorities or other persons arising out of or under any act, omission or contract or law, notification, order, direction, etc., while being Traders or Dealers on or before the Due Date.

9. **Shareholding Rights**

- 9.1 ISE shall ensure that atleast 51% of the equity shares are held by public, other than shareholders having trading rights and the Participating Stock Exchanges, in the manner and within the period prescribed in sub-section (8) of section 4B of the SCRA.
- 9.2 On and from the Appointed Date, ISE shall ensure that public, other than shareholders having trading rights and the Participating Stock Exchanges, continuously hold atleast 51% of the equity shares.
- 9.3 On and from the Due Date, no shareholder, who is a Trading Member, shall have voting rights (taken together with the voting rights held by him and by persons acting in concert with him) exceeding 5% of the voting rights in ISE.

10. Memorandum and Articles of Association, etc.

- 10.1** The memorandum and articles of association, rules, bye-laws and regulations of ISE on the day preceding the Due Date shall, unless contrary to or inconsistent with or excluded by this Scheme, apply to it on and from the Due Date.
- 10.2** ISE shall incorporate the provisions of this Scheme appropriately in its memorandum and articles of association, rules, bye-laws and regulations, on or before the Due Date.
- 10.3** The memorandum and articles of association, rules, bye-laws and regulations may be amended after the Due Date in accordance with the applicable laws, provided that no such amendment is inconsistent with any provision of this Scheme.

11. Utilisation of Assets and Reserves

- 11.1** ISE shall not do anything contrary to the provisions of section 4B (3) of the SCRA.
- 11.2** Without prejudice to the generality of the provisions in clause 11.1, ISE shall not use its assets and reserves, as on the date of publication of this scheme or the proceeds from disposal of such assets or the proceeds from disposal of successive species of assets acquired from the proceeds of disposal of such assets for any purpose other than discharging the current liabilities outstanding as on the date of publication of this Scheme or the business operations of stock exchange.
- 11.3** The Settlement Guarantee Fund, the Investor Protection Fund and the Investor Services Fund of ISE shall, after corporatisation and demutualisation, continue to exist in the same form and be utilised by it only for the purpose they have been set up for.

12. Transfer of Clearing and Settlement Functions

- 12.1** ISE shall, within two years of the Due Date, subject to prior approval of SEBI, transfer the duties and functions of the clearing house of ISE to a clearing corporation recognised under SCRA.
- 12.2** Until the duties and functions of the clearing house are transferred as provided in clause 12.1, the clearing and settlement functions in relation to trading on ISE shall be carried out by the clearing and settlement mechanism as used by ISE at present or in such other manner as the Governing Board may determine.

13. Compliance with this Scheme

- 13.1** ISE shall ensure compliance with the provisions of this Scheme at all times and shall not do anything contrary to the provisions of this Scheme.

13.2 Without prejudice to the generality of the provisions of clause 13.1, ISE shall continuously comply with the provisions in clauses 5.2, 7, 8.3, 8.4, 8.5, 8.6, 9.2, 9.3, 10.3 and 11 of this Scheme.

13.3 ISE shall report compliance with the provisions of this Scheme in such manner as may be required by SEBI from time to time.

14. **Removal of Difficulties**

If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Scheme, SEBI may, at the written request of ISE, relax any of the provisions of this Scheme.
